दैनिक कामयाब कलम
राजस्थान का सबसे तेज बढ़ता अखबार



वेदांता 'अनलिमिटेड': अनिल अग्रवाल ने 3Ps प्रोड्यूस, पार्टनर, पर्पज़ के साथ विकास की राह दिखाई

कामयाब कलम, जयपुर

वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने वेदांता लिमिटेड की 61वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में 'वेदांता अनलिमिटेड' का महत्वाकांक्षी विजन् प्रस्तुत किया। एजीएम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी का भविष्य तीन P- प्रोड्यूस मोर (अधिक उत्पादन), पार्टनर बेटर (बेहतर साझेदारी) और पर्पज़ बियॉन्ड प्रॉफिट (लाभ से परे उद्देश्य) पर आधारित होगा। वेदांता के ऐतिहासिक डीमर्जर के सफलतापूर्वक पूरा होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि समूह की पाँचों स्वतंत्र कंपनियांवेदांता लिमिटेड (NSE: VEDL), वेदांता एल्युमिनियम मेटल लिमिटेड (NSE: VAML), वेदांता ऑयल एंड गैस लिमिटेड (NSE: VOGL), वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड (NSE: VISL) और वेदांता पावर लिमिटेड (NSE: VEDPOWER)— में से प्रत्येक के पास 100 अरब डॉलर की कंपनी बनने की क्षमता है।

शेयरधारकों को संबोधित करते हुए अनिल अग्रवाल ने कहा, एक साल पहले आप एक ही एकीकृत कंपनी के शेयरधारक थे। आज आपके पास पांच अलग-अलग अवसर हैं। दुनिया में बहुत कम कॉर्पोरेट बदलाव ऐसे हुए हैं,

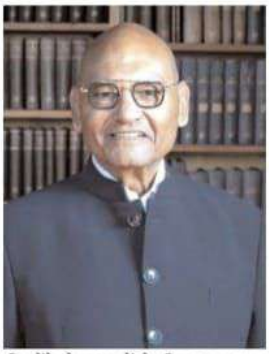

जिन्होंने शेयरधारकों के लिए इतना बड़ा अवसर बनाया हो। और हमारा मानना है कि यह तो सिर्फ शुरुआत है।

वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड प्रदर्शन : वित्त वर्ष 2025-26 को एक ऐतिहासिक वर्ष बताते हुए अनिल अग्रवाल ने कहा, धइस वर्ष हमने रू. 1,74,075 करोड़ का अब तक का सबसे अधिक राजस्व और रू. 25,096 करोड़ का अब तक का सबसे अधिक प्रॉफिट दर्ज किया है।

वित्त वर्ष 2025-26 में वेदांता ने रू. 55,976 करोड़ का अब तक का सबसे अधिक EBITDA दर्ज किया। साथ ही, कंपनी का नेट EBITDA अनुपात 0.95x रहा, जो पिछले 14 तिमाहियों में सबसे बेहतर प्रदर्शन है।

प्रोड्यूस मोर (अधिक उत्पादन) :

अनिल अग्रवाल ने कहा कि वेदांता की रणनीति का पहला 'पी' यानी अधिक उत्पादन कंपनी के विकास के अगले चरण की शुरुआत है।

उन्होंने बताया कि कंपनी का लक्ष्य 2031 तक जिंक और लेड का उत्पादन लगभग तीन गुना बढ़ाकर 30 लाख टन करना है। इसके साथ ही चांदी का उत्पादन दोगुना कर 1,500 टन, इस दशक के अंत तक तांबे का उत्पादन 10 लाख टन, वित्त वर्ष 2027-28 तक फेरोक्रोम की क्षमता 5 लाख टन और निकेल का उत्पादन 60,000 टन तक बढ़ाने की योजना है। उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी लिथियम, कोबाल्ट, सोना, तांबा, निकेल, मैंगनीज, रेयर अर्थ और पोटाश सहित 10 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉकों में खोज (एक्सप्लोरेशन) का काम तेज़ करेगी।

उन्होंने समूह की अलग-अलग (डिमर्जर के बाद बनी) कंपनियों के विस्तार की योजनाओं को भी दोहराया। उन्होंने कहा, धवेदांता एल्युमीनियम एक बेहतरीन कंपनी है।

अगले तीन वर्षों में हम इसकी उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 60 लाख टन प्रतिवर्ष करेंगे और दुनिया में सबसे कम लागत पर उत्पादन करने का लक्ष्य हासिल करेंगे। वेदांता ऑयल एंड गैस का लक्ष्य प्रतिदिन 5 लाख बैरल उत्पादन का है। इसे हासिल करने के लिए अगले 3 से 5 वर्षों में 5 बिलियन डॉलर का निवेश किया जाएगा। वहीं, वेदांता आयरन एंड स्टील अपनी क्षमता 40 लाख टन से बढ़ाकर 1.5 करोड़ टन प्रतिवर्ष करेगी, जिसमें ग्रीन स्टील और स्पेशलिटी स्टील पर विशेष ध्यान रहेगा। साथ ही, वेदांता पावर के पास 20,000 मेगावाट क्षमता तक पहुंचने की स्पष्ट योजना है और कंपनी परमाणु ऊर्जा (न्यूक्लियर पावर) के क्षेत्र में भी कदम रखेगी।

बेहतर साझेदारी : तकनीक को वेदांता का सबसे मजबूत साझेदार बताते हुए अनिल अग्रवाल ने कहा, धभविष्य उन्हीं कंपनियों का है जो तकनीक को अपनाती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दुनिया भर के उद्योगों को बदल रहा है। तकनीक हमारी सबसे बड़ी ताकत है। चाहे खोज (एक्सप्लोरेशन) हो, संचालन, स्थिरता, सुरक्षा या उत्पादकताहम अपने हर व्यवसाय में तकनीक का तेजी से उपयोग कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य स्पष्ट हैऔर अधिक स्मार्ट, तेज़, सुरक्षित और बेहतर बनना।ध

लाभ से आगे बढ़कर उद्देश्य

राष्ट्र निर्माण के प्रति वेदांता की प्रतिबद्धता दोहराते हुए अनिल अग्रवाल ने कहा, धकेवल इस वर्ष ही हमने भारत सरकार के राजस्व में ख62,000 करोड़ से अधिक का योगदान दिया है। वहीं, पिछले 10 वर्षों में हमारा कुल योगदान लगभग ख5 लाख करोड़ रहा है।ध

उन्होंने आगे कहा कि वेदांता की प्रमुख सामाजिक पहल 'नंद घर', जो आधुनिक आंगनवाड़ी केंद्रों का एक नेटवर्क है, 17 राज्यों में 15,000 केंद्रों तक पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि इस पहल में देशभर की 10 करोड़ महिलाओं और बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता है।

भारत के लिए इस महत्वपूर्ण अवसर पर बात करते हुए अनिल अग्रवाल ने कहा, धसंसाधनों की सुरक्षा अब राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा बन गई है। हम सिर्फ संसाधनों के कारोबार में नहीं हैं, बल्कि भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

अपने संबोधन के अंत में अनिल अग्रवाल ने शेयरधारकों का विश्वास बनाए रखने के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा, धहमने मिलकर एक मजबूत वेदांता का निर्माण किया है। अब हम मिलकर पांच असाधारण भविष्य का निर्माण करेंगे।

'वेदांत अनलिमिटेड' इसी सोच का प्रतीक है। आपका विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।